

शचीसुताष्टकम्

Shachisutashtakam

sanskritdocuments.org

February 22, 2019

---

# Shachisutashtakam

---

## शचीसुताष्टकम्

---

### Sanskrit Document Information



---

Text title : Shachisutashtakam

File name : shachIsutAShTakam.itx

Category : deities\_misc, aShTaka, krishna, gurudev, sArvabhaumabhaTTAchArya

Location : doc\_deities\_misc

Author : Sarvabhauma Bhattacharya

Proofread by : PSA Easwaran psaeaswaran at gmail.com

Description/comments : Nitai or Nityananda

Latest update : February 22, 2019

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

February 22, 2019

*sanskritdocuments.org*

---

शचीसुताष्टकम्



नवगौरवरं नवपुष्पशरं  
नवभावधरं नवलास्यपरम् ।  
नवहास्यकरं नवहेमवरं  
प्रणमामि शचीसुतगौरवरम् ॥ १ ॥

नवप्रेमयुतं नवनीतशुचं  
नववेशकृतं नवप्रेमरसम् ।  
नवधा विलसत् शुभप्रेममयं  
प्रणमामि शचीसुतगौरवरम् ॥ २ ॥

हरिभक्तिपरं हरिनामधरं  
करजप्यकरं हरिनामपरम् ।  
नयने सततं प्रणयाश्रुधरं  
प्रणमामि शचीसुतगौरवरम् ॥ ३ ॥

सततं जनताभवतापहरं  
परमार्थपरायणलोकगतिम् ।  
नवलेहकरं जगत्तापहरं  
प्रणमामि शचीसुतगौरवरम् ॥ ४ ॥

निजभक्तिकरं प्रियचारुतरं  
नटनर्तननागरराजकुलम् ।  
कुलकामिनिमानसलास्यकरं  
प्रणमामि शचीसुतगौरवरम् ॥ ५ ॥

करतालवलं कलकण्ठरवं  
मृदुवाद्यसुवीणिकया मधुरम् ।  
निजभक्तिगुणावृतनात्यकरं  
प्रणमामि शचीसुतगौरवरम् ॥ ६ ॥

युगधर्मयुतं पुनर्नन्दसुतं  
धरणीसुचित्रं भवभावोचितम् ।  
तनुध्यानचितं निजवासयुतं  
प्रणमामि शचीसुतगौरवरम् ॥ ७ ॥

अरुणं नयनं चरणं वसनं  
वदने स्वलितं स्वकनामधरम् ।  
कुरुते सुरसं जगतः जीवनं  
प्रणमामि शचीसुतगौरवरम् ॥ ८ ॥

इति सार्वभौमभट्टाछर्यविरचितं शचीसुताष्टकं सम्पूर्णम् ।

---



*Shachisutashtakam*

pdf was typeset on February 22, 2019



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

